

पद ३३२

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

मनुवा छाँड़ दियो रे बिचार ॥ध्रु.॥ छाँड़ दियो उस राम ध्यान को ।
पड़ गयो माया संसार ॥१॥ नहि करियो दृढ साधन सेवा । नहि
कहा मुख से गुरुहार ॥२॥ मानिक के मन बहुत समझ को । कठिन
जम का मार ॥३॥